ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–34
दिनांक– शुक्रवार, 03 मई, 2024

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 39.5 एवं 18.2 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 50 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 20 प्रतिशत, हवा की औसत गति 15.4 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 10.2 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 10.4 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 24.3 एवं दोपहर में 38.0 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(04–08 मई, 2024)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 04–08 मई, 2024 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमानित के अवधि में पश्चिम विक्षोभ के प्रभाव से उत्तर बिहार के जिलों में अगले 1–2 दिनों के बाद आसमान में हल्के से मध्यम बादल आ सकते है। अनुकूल मौसमीय परिस्थितियाँ बनने के कारण 5 मई के बाद उत्तर बिहार के जिलों में कहीं–कहीं हल्की वर्षा मेघ गर्जन के साथ हो सकती है। कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा भी होने की सम्भावना है। वर्षा के समय हवा की गति तेज रहने की सम्भावना है।
- इस अवधि में 6 मई से अधिकतम तापमान में गिरावट आ सकता है यह 35–37 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। जबकि न्यूनतम तापमान 22–25 डिग्री सेल्सियस के आस–पास रह सकता है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 40 से 60 प्रतिशत तथा दोपहर में 20 से 30 प्रतिशत रहने की संभावना है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 20 से 25 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से पुरवा हवा चलने का अनुमान है।

• समसामयिक सुझाव

- किसानों को सलाह दी जाती है कि 5 मई के बाद मौसम में परिवर्तन होने से हल्की बूंदा–बूंदी तथा कुछ स्थानों में मध्यम वर्षा की संभावना बन सकती है। इस मौसम को देखते हुए कृषि कार्यो में सर्तकता बरतने की आवश्यकता है। गेहूं अरहर तथा रवी मक्का की कटनी तथा सुखाने का काम सावधानी पूर्वक करें। कटी हुई गेहूँ की दौनी कर सुरक्षित स्थान पर भंडारित कर लें। फिलहाल खड़ी फसलो में सिंचाई मौसम को देखते हुए स्थगित रखें या वर्षा न होने की स्थिति में करें। कीटनाशकों का छिड़काव आसमान साफ रहने पर ही करें।
- हल्दी एवं अदरक की बुआई के लिए खेत की तैयारी करें। खेत की जुताई में प्रति हेक्टेयर 25 से 30 टन गोबर की सड़ी खाद डाले। 15 मई से किसान भाई हल्दी एवं अदरक की बुआई सकते हैं।
- ओल की फसल की रोपाई करें। रोपाई के लिए गजेन्द्र किस्म अनुशंसित है। ओल की कटे कन्द को ट्राइकोर्डमा भिरीडी दवा के 5.0 ग्राम प्रति लीटर गोबर के घोल में मिलाकर 20–25 मिनट तक डुबोकर रखने के बाद कन्द को निकालकर छाया में 10–15 मिनट तक सुखने दें उसके बाद उपचारित कन्द को लगायें ताकि मिट्टी जनित बीमारी लगने की संभावना को रोका जा सके तथा अच्छी उपज प्राप्त हो सके।
- मूंग एवं उरद की फसल मे रस चूसक कीट माहु, हरा फुदका, सफेद मक्खी व थ्रीप्स कीट की निगराणी करें। यह कीट पौधे की पत्तियों, कोमल टहनियों, फूल व अपरिपक्व फलियों से रस चूसते है। सफेद मक्खी पीला मोजैक रोग को फैलाने का काम करती है। थ्रीप्स कोमल कलियों व पुष्पों को बहुत क्षति पहुँचाती हैं जिससें अक्रान्त फूल खिलने से पहले झड़ जाती है, फलियॉ नही बन पाती है। इन कीटों का प्रकोप दिखने पर बचाव हेतु मैलाथियान 50 ई0सी0 या डाडमेथोएट 30 ई0सी0 का 1 लीटर प्रति हेक्टेयर की दर से फसल मे छिड़काव आसमान साफ रहने पर ही करें।
- किसान भाई हल्दी एवं अदरक की बुआई के लिए खेत की तैयारी कर सकते है। खेत की जुताई में प्रति हेक्टेयर 25 से 30 टन गोबर की सड़ी खाद डाले।
- भिण्डी की फसल को लीफ हॉपर कीट द्वारा काफी नुकसान होता है। यह कीट दिखने में सुक्ष्म होता है। इसके नवजात एवं व्यस्क दोनो पत्तियों पर चिपककर रस चुसते है। अधिकता की अवस्था मे पत्तियों पर छोटे–छोटे घब्बे उभर जाते है और पत्तियॉ पीली तथा पौधे कमजोर हो जाते है जिससे फलन प्रभावित होती है। इस कीट का प्रकोप दिखाई देने पर इमिडाक्लोप्रिड 0.5 मी0ली0 प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें। भिंडी फसल में माइट कीट की निगरानी करते रहे। प्रकोप दिखाई देने पर ईथियॉन/1.5 से 2 मि0ली0 प्रति ली0 पानी की दर से छिड़काव आसमान साफ रहने पर ही करें। गरमा सब्जियों जैसे भिन्डी, नेनुआ, करैला, लौकी (कद्दू), और खीरा की फसल में निकाई–गुड़ाई करें।
- फल मक्खी लत्तर वाली सब्जियों जैसे नेनुआ, करैला, लौकी (कद्दू), और खीरा फसल को क्षति पहुचाने वाला प्रमुख कीट है। यह घरेलू मक्खी की तरह दिखाई देने वाली भूरे रंग की होती है। मादा कीट मुलायम फलों की त्वचा के अन्दर अंडे देती है। अंडे से पिल्लू निकलकर अन्दर ही अन्दर फलों के भीतरी भाग को खाता है। जिसके कारण पूरा फल सड़ कर नष्ट हो जाता है। इस कीट का प्रकोप शुरू होते ही 1 किलोंग्रम छोआ, 2 लीटर मैलाथियान 50 ई0सी0 को 1000 लीटर पानी मे घोल कर 15 दिनों के अन्तराल पर दो बार छिड़काव आसमान साफ रहने पर ही करें।
- फलदार वृक्षों तथा वानिकी पौधों को लगाने के लिए अनुशंसित दूरी पर 1 मी0 व्यास के 1 मीटर गहरे गडढ़े बना कर छोड़ दें।

आज का अधिकतम तापमानः 37.8 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 3.3 डिग्री सेल्सियस अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः 15.5 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 8.1 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी/वैज्ञानिक (कृषि मौसम)

(डॉ0 ए. सत्तार)
वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी (कृषि मौसम)